EPCH हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
Connecting. Empowering. Transforming.
EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS
CIN: U20299DL 1986NPL023253 | GST NO. 07AAACE1747M1ZJ

ARTEFACTS

प्रेस विज्ञप्ति – पहला दिन
हस्तशिल्प एक्सपो (आर्टिफैक्ट्स)-2026 का दूसरा संस्करण
ट्रेड फेसीलिटेशन सेंटर (टीएफसी), बोरानाडा, जोधपुर (राजस्थान)
15 से 19 जनवरी 2026 तक

आर्टिफैक्ट्स-2026 अच्छे रिस्पॉन्स के साथ शुरू

श्री जोगाराम पटेल, माननीय मंत्री, संसदीय कार्य, कानून और कानूनी मामलों, कानूनी सलाह और न्याय राजस्थान सरकार ने मेले का दौरा किया और प्रदर्शकों से बातचीत की

जोधपुर, राजस्थान 15 जनवरी 2026: हस्तशिल्प एक्सपो (आर्टिफैक्ट्स)-2026 के दूसरे संस्करण की आज जोधपुर के बोरानाडा स्थित ट्रेड फेसीलिटेशन सेंटर में भव्य शुरुआत हुई। पांच दिवसीय एक्सपो 15 से 19 जनवरी 2026 तक चलेगा जिसका उद्देश्य एक ऐसा बाजार तैयार करना है जो कारोबार के लिए पूरी तरह तैयार हो, साथ ही भारत की समृद्ध और पारंपरिक हस्तशिल्प विरासत का उत्सव भी है।

मेले का भ्रमण करने पहुँचे श्री जोगाराम पटेल, माननीय मंत्री, संसदीय कार्य, कानून और कानूनी मामलों, कानूनी सलाह और न्याय राजस्थान सरकार का स्वागत ईपीसीएच अध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना, ईपीसीएच के मुख्य संयोजक श्री अवधेश अग्रवाल; ईपीसीएच के प्रशासनिक समिति के सदस्य: श्री निर्मल भंडारी, श्री रवि के. पासी, श्री प्रदीप मुच्छाला, श्री सिमरनदीप सिंह कोहली; ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री राजेश रावत; जोधपुर के प्रमुख सदस्य निर्यातकों, खरीदारों व उनके प्रतिनिधियों; तथा प्रेस एवं मीडिया के साथियों द्वारा किया गया।

सभा को संबोधित करते हुए श्री जोगाराम पटेल ने देशभर से प्रदर्शित हस्तनिर्मित संग्रहों की असाधारण गुणवत्ता, विविधता और उत्कृष्ट फिनिशिंग की सराहना की। उन्होंने राजस्थान के हस्तशिल्प को विश्व स्तर पर पहचान दिलाने में जोधपुर के समर्पित निर्यातकों द्वारा किए जा रहे अथक परिश्रम की विशेष प्रशंसा की। श्री पटेल ने राइजिंग राजस्थान जैसी परिवर्तनकारी पहल के माध्यम से निर्यात प्रोत्साहन के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि राजस्थान निर्यात नीति के तहत एक मजबूत ढांचा तैयार किया गया है, जिसके अंतर्गत 37 औद्योगिक पार्कों के विकास की पहल की जा रही है तथा ओडीओपी में "वन डिस्ट्रिक्ट पंच गौरव" को शामिल किया गया है, ये सभी कदम 'ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस' को सशक्त बनाने और एमएसएमई को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए सक्षम करने हेतु रणनीतिक रूप से तैयार किए गए हैं। उन्होंने टीएफसी के भविष्य में विस्तार के लिए ईपीसीएच द्वारा समीपवर्ती भूमि की खरीद के प्रस्ताव पर भी अपना समर्थन व्यक्त किया।

श्री जोगाराम पटेल ने ईपीसीएच अध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ मेले का दौरा किया और एग्ज़िबिटर्स से बातचीत की।

इस अवसर पर ईपीसीएच अध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना ने कहा, "आर्टिफैक्ट्स-2026 के पहले दिन अच्छी संख्या में आगंतुक आए हैं और उच्च गुणवत्ता की विज़िटर/बायर इन्क्वायरी प्राप्त हुई है। पहले दिन के परिणाम यह पुष्टि करते हैं कि आर्टिफैक्ट्स-2026 एक व्यवसाय-तैयार बाज़ार के रूप में विकसित हो रहा है, जो हस्तशिल्प के लिए घरेलू बाज़ार संबंधों को मजबूत करते हुए भारत की शिल्प उत्कृष्टता को प्रदर्शित करता है।"

डॉ. खन्ना ने आगे कहा कि "जोधपुर लकड़ी उत्पाद एवं फर्नीचर सहित अनेक हस्तनिर्मित उत्पादों के निर्यात का एक प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है। जोधपुर में खरीदारों एवं पर्यटकों को शीघ्र ही 'ईपीसीएच-एक्सपो बाज़ार कैश एंड कैरी स्टोर' का अनुभव मिलेगा, जिसे एक 'वन-स्टॉप सोर्सिंग डेस्टिनेशन' के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहाँ हस्तशिल्प, होम डेकोर, फर्निशिंग, गिफ्टवेयर, लाइफस्टाइल एक्सेसरीज़, यूटिलिटी प्रोडक्ट्स और समकालीन क्राफ्ट-आधारित उत्पादों की सोच-समझकर क्यूरेट की गई श्रृंखला उपलब्ध होगी।" उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि शीघ्र ही ईपीसीएच ट्रेड फेसीलिटेशन सेंटर, जोधपुर में एक टेस्टिंग लैब संचालित होगी, जिससे हस्तशिल्प निर्यातकों के लिए गुणवत्ता प्रमाणन की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। संभावित अमेरिकी टैरिफ जैसी उभरती चुनौतियों के संदर्भ में उन्होंने उद्योग के बीच निकट सहयोग के माध्यम से रणनीतिक बाज़ार विविधीकरण की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

ईपीसीएच के उपाध्यक्ष श्री सागर मेहता ने कहा, "हम इस एक्सपो को केवल एक प्रदर्शन मंच नहीं, बल्कि ऐसा प्लेटफॉर्म बना रहे हैं जो घरेलू वॉल्यूम खरीदारों, रिटेल और ई-कॉमर्स के लिए तेज़ और अधिक भरोसेमंद फुलफिलमेंट को समर्थन दे। हम प्रदर्शकों को पैकेजिंग और ब्रांड-रेडीनेस मजबूत करने, रेडी-स्टॉक लाइनें तैयार करने, ऑर्डर कंसोलिडेशन तथा डिस्पैच समन्वय की योजना बनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं, ताकि खरीदार एक ही दौरे में विभिन्न श्रेणियों से सोर्सिंग कर सकें और तेजी से रिप्लेनिशमेंट साइकिल में जा सकें।"

ईपीसीएच के मुख्य संयोजक श्री अवधेश अग्रवाल ने कहा, "ईपीसीएच की रणनीतिक समन्वय एशिया के सबसे बड़े हस्तशिल्प मेलों जैसे 'आईएचजीएफ दिल्ली फेयर' और घरेलू पहलों जैसे 'हस्तशिल्प एक्सपो–आर्टिफैक्ट्स 2026'—के बीच, इस B2B-कम-B2C मॉडल ने होटल चेन और ई-कॉमर्स रिप्लेनिशमेंट साइकिल्स से प्राप्त पुष्ट प्रतिबद्धताओं के माध्यम से एमएसएमई विकास को गति दी है।" उन्होंने माननीय मंत्री से राजस्थान सरकार द्वारा नीति-स्तरीय हस्तक्षेपों के माध्यम से हस्तशिल्प क्षेत्र को समर्थन देने का आग्रह किया तथा टीएफसी के भविष्य विस्तार हेतु ईपीसीएच को समीपवर्ती भूमि उपलब्ध कराने का अनुरोध किया, जिस पर माननीय मंत्री ने अपना समर्थन व्यक्त किया।

पांच दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक और आगंतुकों के अनुभव के पहलू पर जोर देते हुए ईपीसीएच के प्रशासनिक समिति के सदस्य श्री निर्मल भंडारी ने कहा, "जोधपुर का ट्रेड फेसीलिटेशन सेंटर बिजनेस और संस्कृति के संगम के लिए एकदम सही जगह है। इस साल के आर्टिफैक्ट्स एक्सपो में हर रोज राजस्थानी लोक नृत्य, लाइव म्यूजिक, और हस्तनिर्मित कपड़ों, ज्वेलरी एवं एक्सेसरीज का भव्य फैशन शो होगा, जिससे विजिटर्स यहां ज्यादा समय के लिए रुकेंगे औ बार-बार आएंगे. इसके अलावा एक खास फूड कोर्ट भी होगा, जहां स्थानीय और पारंपरिक व्यंजन मिलेंगे, जिससे विजिटर का अनुभव और भी बेहतर होगा।"

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद देश से हस्तशिल्प के निर्यात को बढ़ावा देने और देश के शिल्प क्लस्टर्स में होम, लाइफस्टाइल, टेक्सटाइल, फर्नीचर और फैशन ज्वेलरी एवं एक्सेसरीज के उत्पादन में लगे लाखों कारीगरों और शिल्पकारों के हुनरमंद हाथों के जादू की ब्रांड इमेज बनाने के लिए एक नोडल संस्था है | साल 2024-25 के दौरान कुल हस्तशिल्प निर्यात 33,123 करोड़ रुपये (3,918 मिलियन अमेरिकी डॉलर) रहा | ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री राजेश रावत ने बताया कि साल 2024-25 के दौरान राजस्थान से हस्तशिल्प का निर्यात 6414.19 करोड़ रुपये था, इस निर्यात में जोधपुर का हिस्सा 50.19% रहा |

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:
श्री राजेश रावत, कार्यकारी निदेशक, ईपीसीएच
+91-9810423612

EPCH
हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
Connecting. Empowering. Transforming.

EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS

CIN: U20299DL 1986NPL023253 | GST NO. 07AAACE1747M1ZJ

ARTEFACTS

PRESS RELEASE – Day 1

2nd Edition of Handicrafts Expo (Artefacts)-2026
Trade Facilitation Centre (TFC), Boranada, Jodhpur (Rajasthan)
from 15th to 19th January 2026

Artefacts-2026 Opens with Good Response

Shri Jogaram Patel, Minister for Parliamentary Affairs, Law & Legal Affairs, Legal Consultancy and Justice, Govt. of Rajasthan visits the fair and interacts with exhibitors

Jodhpur, Rajasthan 15th January 2026: 2nd Edition of Handicrafts Expo (Artefacts)-2026 today opened at the Trade Facilitation Centre (TFC), Boranada, Jodhpur. A five-day event being held from 15th to 19th January 2026, curated to create a business-ready marketplace while celebrating the depth, authenticity and cultural resonance of India's craft traditions.

Shri Jogaram Patel, Minister for Parliamentary Affairs, Law & Legal Affairs, Legal Consultancy and Justice, Government of Rajasthan visited the fair and was welcomed by Dr. Neeraj Khanna, Chairman, EPCH; Shri Avdhesh Agarwal, Chief Convenor, EPCH; Members of Committee of Administration, EPCH: Shri Nirmal Bhandari, Shri Ravi K. Passi, Shri Pradip Muchhala, Shri Simrandeep Singh Kohli; Shri Rajesh Rawat, Executive Director, EPCH; Prominent member exporters from Jodhpur, buyers and buyers' representatives; friends from the press and media.

While addressing the august gathering Shri Jogaram Patel, Minister for Parliamentary Affairs, Law & Legal Affairs, Legal Consultancy and Justice, Government of Rajasthan, commended the exceptional quality, variety and superior finishing of the handcrafted collections on display from across India. He extended special appreciation to Jodhpur's dedicated exporters for their tireless hard work in elevating Rajasthan's handicrafts to world recognition. Shri Patel reaffirmed the State Government's unwavering commitment to export promotion through transformative initiatives like Rising Rajasthan. He also highlighted the Rajasthan Export Policy's a robust framework, wherein development of 37 industrial parks are being initiated and the ODOP includes "One District Panch Gaurav", all strategically designed to enhance ease of doing business and propel MSMEs toward global competitiveness. He expressed support towards procurement of the adjacent land by EPCH for future expansion of TFC.

Shri Jogaram Patel alongwith Dr. Neeraj Khanna, Chairman, EPCH and other dignitaries toured the fair and interacted with exhibitors.

Speaking on the occasion, Dr. Neeraj Khanna, Chairman, EPCH shared that "Day 1 of Artefacts-2026 is witnessing a good footfall, high-quality visitors' enquiries. Opening-day outcomes reaffirm that Artefacts-2026 is evolving into a business-ready marketplace that strengthens domestic market linkages for handicrafts while showcasing India's craft excellence".

Dr. Khanna further added that “Jodhpur has emerged as a major hub for the exports of a wide range of handcrafted products like woodware and furniture. Buyers & tourist at Jodhpur will soon experience EPCH-Expo Bazaar Cash & Carry Store which is designed as a one-stop sourcing destination which brings together a thoughtfully curated range of handicrafts, home décor, furnishings, giftware, lifestyle accessories, utility products and contemporary craft-led offerings. He also assured that soon a Testing Lab would be operational in EPCH Trade Facilitation Centre, Jodhpur significantly enhancing quality certification capabilities for handicraft exporters. Against emerging challenges like potential US tariffs, he stressed the imperative for strategic market diversification through closer industry collaboration.

Shri Sagar Mehta, Vice Chairman-EPCH said that “We are positioning this expo not only as a showcase but as a platform that supports faster, more reliable fulfilment for domestic volume buyers, retail and e-commerce. We are encouraging exhibitors to strengthen packaging and brand readiness and to plan ready-stock lines, order consolidation and dispatch coordination so buyers can source across categories in one visit and move quickly into replenishment cycles”

Shri Avdhesh Agarwal, Chief Convener, EPCH said that “EPCH's strategic synergy between Asia’s largest Handicrafts fairs like IHGF Delhi Fair and domestic initiatives like Handicraft Expo – Artefacts 2026, this B2B-cum-B2C model has accelerated MSME growth through confirmed commitments from hotel chains and e-commerce replenishment cycles. He urged the Hon’ble Minister to support the handicraft sector through various policy intervention by the Govt of Rajasthan and also requested adjacent land to EPCH for future expansion of TFC to which the Hon’ble Minister expressed his support for the same.”

Highlighting the cultural and visitor-experience dimension planned across the five days, Shri Nirmal Bhandari, Member CoA, EPCH added, “Jodhpur's Trade Facilitation Centre offers the ideal setting for a fair that merges business opportunity with cultural celebration. This year's Artefacts Expo features a rich cultural calendar with daily cultural evenings showcasing Rajasthani folk dances, live musical performances, a grand fashion show presenting handcrafted textiles, jewellery and accessories styled ensuring high visitor dwell time and repeat visits. A dedicated food court will serve authentic cuisines and food items enhancing the complete visitor experience.”

Shri Rajesh Rawat, Executive Director, EPCH shared that “Our comprehensive marketing strategy has delivered exceptional exhibitor readiness and targeted buyer introductions from the very first day. Artefacts-2026 establishes a robust domestic value chain connecting artisan skilling directly to institutional fulfilment through world-class infrastructure at Jodhpur TFC. We are deeply grateful to the Office of the Development Commissioner (Handicrafts), Ministry of Textiles, Government of India, for their unwavering support and strategic guidance in bringing the 2nd Edition of Handicrafts Expo (Artefacts)-2026 to fruition”.

Export Promotion Council for Handicrafts is a nodal organization for promotion of exports of handicrafts from the country and create brand image of magic of the gifted hands of millions of artisans and crafts persons engaged in production of home, lifestyle, textiles, furniture, and fashion jewellery & accessories in craft clusters of the country. The overall Handicrafts exports during the year 2024-25 was Rs. 33,123 Crores (US $ 3,918 Million). The exports of handicrafts from Rajasthan during the year 2024-25 was Rs. 6414.19 crores with Jodhpur comprising share is 50.19% in exports added Shri Rajesh Rawat, Executive Director - EPCH.

For more information please contact:
Shri Rajesh Rawat, Executive Director, EPCH
+91-9810423612

Encl: Hindi & English with photos

Photo 1: Shri Jogaram Patel, Minister for Parliamentary Affairs, Law & Legal Affairs, Legal Consultancy and Justice, Government of Rajasthan being welcomed by Dr. Neeraj Khanna, Chairman, EPCH; Shri Avdhesh Agarwal, Chief Convenor, EPCH; Members of Committee of Administration, EPCH: Shri Nirmal Bhandari, Shri Simrandeep Singh Kohli; Shri Rajesh Rawat, Executive Director, EPCH; Prominent member exporters from Jodhpur during 2nd Edition of Handicrafts Expo (Artefacts)-2026, TFC, Boranada, Jodhpur.

Photo 2: Visitors transacting business during 2nd Edition of Handicraft Expo (Artefacts) Jodhpur 2026 at TFC, Jodhpur.